

सिद्धान्तज्योतिषाचार्य साहित्याचार्य एम.ए. स्वर्णरजतपदक प्राप्त

मार्तण्ड पंचांग के सम्पादक श्री प्रियव्रत शर्मा

की सम्मति

## विजयेश्वर पंचांग के विषय में

गतवर्ष सं० 2053 वि० में श्री विजयेश्वर पंचाङ्ग के सम्पादकों ने ग्रहों के दृक्पक्षीय भोगांश अपना लिए थे, लेकिन तिथ्यादि पंचाङ्ग वही परम्परानुसार खण्डखाद्यकीय रहने दिया था।

इस वर्ष तिथ्यादि पंचाङ्ग भी दृक्पक्षीय अपनाया है, अतः हम यह कह सकते हैं अब **“विजयेश्वर पंचाङ्ग”** जम्मू काश्मीर का एकमात्र दृक्तुल्य पंचाङ्ग है। इस पंचाङ्ग को भारत के अन्य अनेक सूक्ष्मगणनावाले दृक्तुल्य पंचागों की सम्मान्य पंक्ति में ला कर खड़ा करने के उपलक्ष्य में मैं इस के सम्पादकों का हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ।

  
(प्रियव्रत शर्मा)  
2.7.96